केन्द्रीय विद्यालय संगठन क्षेत्रीय कार्यालय, भोपाल
मासिक परीक्षा माह अप्रैल– **(2026-27)**
अंक योजना

कक्षा **-12** वीं | विषय-हिन्दी कोर **(302)**
कुल अंक**- 40** | समय**- 90** मिनट

खण्ड क
(अपठित बोध**)**

1. निम्नलिखित अपठित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और दिए गए प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार दीजिए। **(10)**
i. (घ) जनसंख्याशास्त्री
ii.(ख) आर्थिक विकास और शिक्षा
iii. (घ) 1 और 4
iv. जनसंख्या की समस्या का समाधान तब तक संभव नहीं जब तक यह जन आंदोलन नहीं बन जाता
v. लेखक के अनुसार आर्थिक विकास का तात्पर्य पश्चिमी भौतिकवाद नहीं है, जहाँ बच्चों को बोझ समझा जाता है। भारत के संदर्भ में इसका अर्थ सम्मानपूर्वक जीने के स्तर से है, जो केवल संपत्ति के बँटवारे तक सीमित न होकर अस्सी करोड़ लोगों की ऊर्जा के सही उपयोग पर आधारित है। (2)
vi. स्त्री-शिक्षा समाज में एक नए प्रकार का चिंतन पैदा करती है। इससे न केवल सामाजिक और आर्थिक विकास के नए अवसर खुलते हैं, बल्कि बच्चों के बेहतर विकास का रास्ता भी प्रशस्त होता है, जिससे लोग परिवार नियोजन के प्रति जागरूक होते हैं। (2)
vii. लेखक का सुझाव है कि जनसंख्या नियंत्रण को केवल सरकारी दफ्तरों तक सीमित नहीं रखना चाहिए। इसे केंद्रीकरण से हटाकर गाँव-गाँव और व्यक्ति-व्यक्ति तक पहुँचाना होगा ताकि हर नागरिक इसमें अपनी भागीदारी समझ सके (2)
2. निम्नलिखित अपठित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और दिए गए प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार दीजिए। **(8)**
i. (ख) जीवन की भागदौड़ और व्यस्तता (1)
ii. (ग) हक्का-बक्का और असमंजस में (1)
iii. (ख) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं और कारण (R), कथन (A) की सही व्याख्या करता है। (1)
iv. जब कवि की चेतना जगी, तो उसने स्वयं को दुनिया के एक ऐसे 'मेले' में खड़ा पाया जहाँ हर तरफ अत्यधिक भीड़ और भागदौड़ थी। (1)
v. कवि के भीतर वैचारिक संघर्ष है। बाहर तो दुनिया की धक्का-मुक्की और प्रतिस्पर्धा है ही, लेकिन उसके मन के अंदर भी यह सवाल उठ रहे हैं कि वह जो कर रहा है या कह रहा है, क्या वह सही है? वह अपनी मजबूरियों और अपने अंतर्मन के विचारों के बीच फंसा हुआ है। (2)
vi. कवि की मुख्य चिंता यह है कि जीवन की निरंतर भागदौड़ में मनुष्य के पास इतना भी समय नहीं है कि वह रुककर आत्म-विश्लेषण कर सके। वह यह नहीं समझ पाता कि उसके द्वारा किए गए कार्यों में क्या 'बुरा' था और क्या 'भला'। (2)

खण्ड ख
(पाठ्यपुस्तक आरोह आधारित प्रश्न**)**

3. निम्नलिखित पठित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(5)**
(i) (ख) अत्यधिक अनुराग (1)
(ii) (क) गाँव में महादेवी जी के रहने का प्रबंध अपनी पूँजी से करने (1)
(iii) (ग) वह परिवार का हिस्सा है (1)
(iv) (ख) प्राकृतिक संबंध के लिए
(1)

(v) (ग) आत्मीय संबंध का वर्णन
(1)
4. निम्नलिखित पठित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
(5)
i. (ग) बच्चों द्वारा नीड़ों (घोंसलों) से झाँकने की प्रत्याशा में (1)

ii. (ख) क्योंकि उसका इंतज़ार करने वाला घर पर कोई नहीं है (1)
iii. (ग) कथन (A) सही है, किंतु कारण (R) गलत है। (1)
iv. (ग) माता-पिता की प्रतीक्षा और उत्सुकता को (1)
v. (ख) समय के (1)
5. निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में दीजिए। 2x3 =6
(i) कवि (हरिवंश राय बच्चन) संसार को इसलिए 'अपूर्ण' मानते हैं क्योंकि यह संसार प्रेम विहीन है। उनकी दृष्टि में जिस संसार में प्रेम और मानवीय संवेदनाओं की कमी हो, वह अधूरा है। कवि की अपनी एक कल्पनाओं की दुनिया है जो प्रेम से भरी हुई है। उन्हें यह भौतिकवादी संसार, जो केवल धन-वैभव और संग्रह में लगा रहता है, आकर्षित नहीं करता। वे अपनी भावनाओं और प्रेम के स्वप्नों में मग्न रहना चाहते हैं, इसलिए वे इस अधूरे और रूखे संसार को ठुकराकर अपनी प्रेममयी दुनिया में जीते हैं।
(ii) महादेवी वर्मा ने ऐसा इसलिए कहा क्योंकि भक्तिन में गुणों के साथ-साथ कई दुर्गुण भी थे। वह पूरी तरह सत्यवादी नहीं थी; वह लेखिका की इधर-उधर पड़ी नकदी को मटकी में छिपाकर रख देती थी और उसे चोरी नहीं, अपना हक मानती थी। वह अपनी बात को सही सिद्ध करने के लिए शास्त्रों के गलत अर्थ निकालती थी और दूसरों को अपनी इच्छा के अनुसार बदलने की कोशिश करती थी, लेकिन स्वयं बदलने को तैयार नहीं थी। इन्हीं त्रुटियों के कारण लेखिका उसे पूर्णतः 'अच्छी' कहने में हिचकती थीं।
(iii) "भक्तिन का दुर्भाग्य भी उससे कम हठी नहीं था"—इस कथन का आशय यह है कि भक्तिन (लक्ष्मी) के जीवन में दुखों और संघर्षों का सिलसिला कभी थमा नहीं। जैसे भक्तिन अपने हठ और विचारों पर अड़ी रहती थी, वैसे ही उसका दुर्भाग्य भी उसका पीछा नहीं छोड़ता था; एक विपत्ति टलती नहीं थी कि दूसरी आकर खड़ी हो जाती थी।

- लगातार संघर्ष**:** भक्तिन के पति का जल्दी निधन हो गया।
- पारिवारिक प्रताड़ना**:** उसके जेठ-जिठौतों ने जायदाद हड़पने के लिए उसे परेशान किया और उसकी बेटियों को प्रताड़ित किया।
- पुत्र न होने का दुःख**:** समाज के अनुसार पुत्र न होने पर उसे हीन भावना का सामना करना पड़ा।

6. निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में दीजिए। 3x2 =6
(i) इस पंक्ति का आशय यह है कि संसार में जहाँ बुद्धिमान और समझदार लोग रहते हैं, वहीं नादान या मूर्ख लोग भी पाए जाते हैं। 'दाना' का अर्थ है जो सांसारिक ज्ञान और संग्रह में लगे हैं। कवि के अनुसार, लोग सत्य को जानने की कोशिश तो करते हैं, लेकिन जीवन भर सांसारिक मोह-माया के जाल में फँसे रहकर 'नादानी' करते रहते हैं।
(ii) यह बच्चों की प्रतीक्षा और ममता पाने की व्याकुलता को दर्शाता है। मनोवैज्ञानिक रूप से यह उनकी सुरक्षा की भावना और माता-पिता के प्रति उनके गहरे लगाव का प्रतीक है। वे इस उम्मीद में झाँक रहे हैं कि उनके माता-पिता लौटकर आएँगे और उनके लिए भोजन व स्नेह लेकर आएँगे।
(iii) भक्तिन का वास्तविक नाम 'लछमिन' (लक्ष्मी) था, जिसका अर्थ है धन की देवी। वह बहुत गरीब थी, इसलिए उसे लगता था कि उसका नाम उसकी परिस्थिति के बिल्कुल विपरीत है और लोग उसका उपहास उड़ाएँगे। उसकी गले की कंठी माला और सादगीपूर्ण वेशभूषा देखकर लेखिका ने उसका नाम 'भक्तिन' रख दिया।
(iv) भक्तिन महादेवी को अपनी आदतों के अनुसार ढालने में सफल रही। उसने लेखिका को देहाती खाना जैसे मकई का दलिया, मोटी रोटियाँ और तुअर की दाल खिलाना शुरू कर दिया। लेखिका भक्तिन को तो शहरी नहीं बना सकीं, लेकिन स्वयं उसकी भाषा और खान-पान के प्रभाव में आकर अधिक 'देहाती' (ग्रामीण) स्वभाव की हो गईं।